

## गुजरात में मिला विशाल साँप का जीवाश्म

**स्रोत: डाउन टू अर्थ**

हाल ही में भारत में जीवाश्म वैज्ञानिकों (Palaeontologists) ने एक विशाल साँप के जीवाश्म अवशेषों की खोज की है जो लगभग 47 मिलियन वर्ष पहले गुजरात के दलदलों में पाए जाते थे।

- शोधकर्ताओं ने जानकारी दी कि **वासुकी इंडिकिस (Vasuki indicus)** ने सबसे बड़े ज्ञात परभक्षी, कुख्यात **टिटानोबोआ (Titanoboa)** का मुकाबला किया।

## वासुकी इंडिकिस के बारे में मुख्य नष्कर्ष क्या हैं?

### परिचय:

- वासुकी इंडिकिस:** नई पहचानी गई प्रजाति, **वासुकी इंडिकिस**, अब विलुप्त हो चुके **मादसोईदे (Madtsoiidae)** **साँप परिवार** से संबंधित है।
  - यह एक **गोंडवानन स्थलीय (Gondwanan terrestrial)** साँप है, जो **ऊपरी क्रेटेशियस** (100.5 से 66 mya (मिलियन वर्ष पूर्व)) से लेकर लेट प्लीस्टोसीन युग (0.126 से 0.012 mya) तक फैले गर्म मध्य इओसीन काल के दौरान पाया जाता था।
- अनुमानित आकार:** जीवाश्म अवशेष से इसकी लंबाई **10.9 से 15.2 मीटर** के बीच होने का अनुमान है, जो कि सबसे बड़े आधुनिक साँपों से भी अधिक है।
  - यह खोज **शरीर के बड़े आकार** के विकास पर प्रकाश डालती है, जो संभवतः उस युग के **उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में उच्च तापमान से प्रभावित था।
  - गर्म मध्य इओसीन जलवायु ने संभवतः प्राचीन साँपों के शरीर के बड़े आकार के विकास में भूमिका नहीं आई।
    - वासुकी इंडिकिस** का इस अवधि के दौरान उष्णकटिबंधीय परिस्थितियों के अनुकूल विकास हुआ।
- जीववैज्ञान संबंधी नहितारथ:** इस विशाल इओसीन साँप की उपस्थिति का **मादसोईदे जैविकी पर महत्वपूर्ण प्रभाव है।**
  - यह इस बात को लेकर अंतरदृष्टि प्रदान करता है कि उस समय के दौरान जीवों का भौगोलिक वितरण किस प्रकार का था और उनके विकास के कारक क्या रहे।
- वासुकी इंडिकिस का नाम पौराणिक नाग के नाम पर रखा गया:**
  - इस प्रजाति का नाम हद्वि पौराणिक कथाओं में **भगवान शिव** से जुड़े नाग वासुकी के नाम पर रखा गया है।
  - इस खोज का **सांस्कृतिक महत्त्व है।**

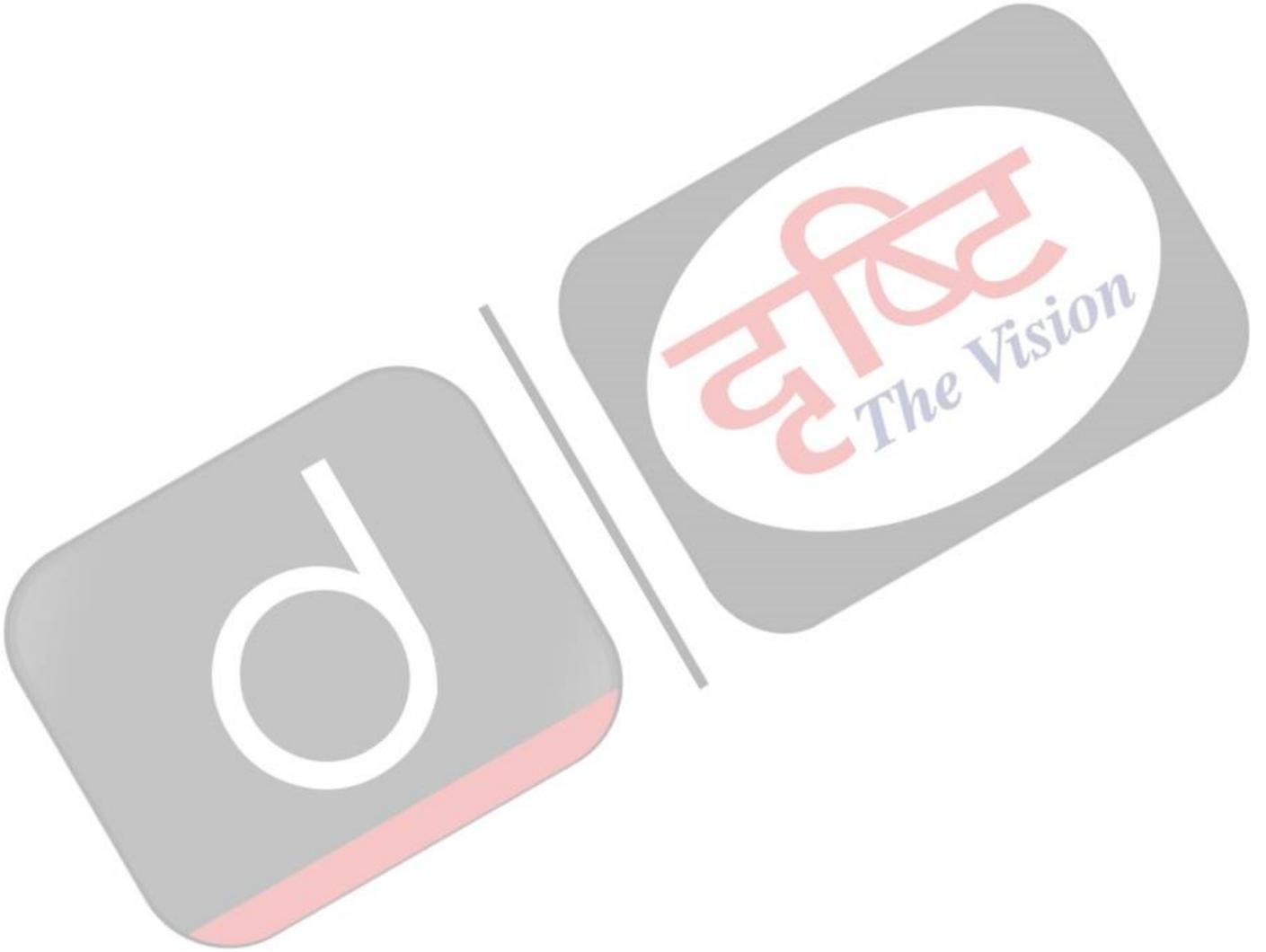
### अन्य बड़े साँप:

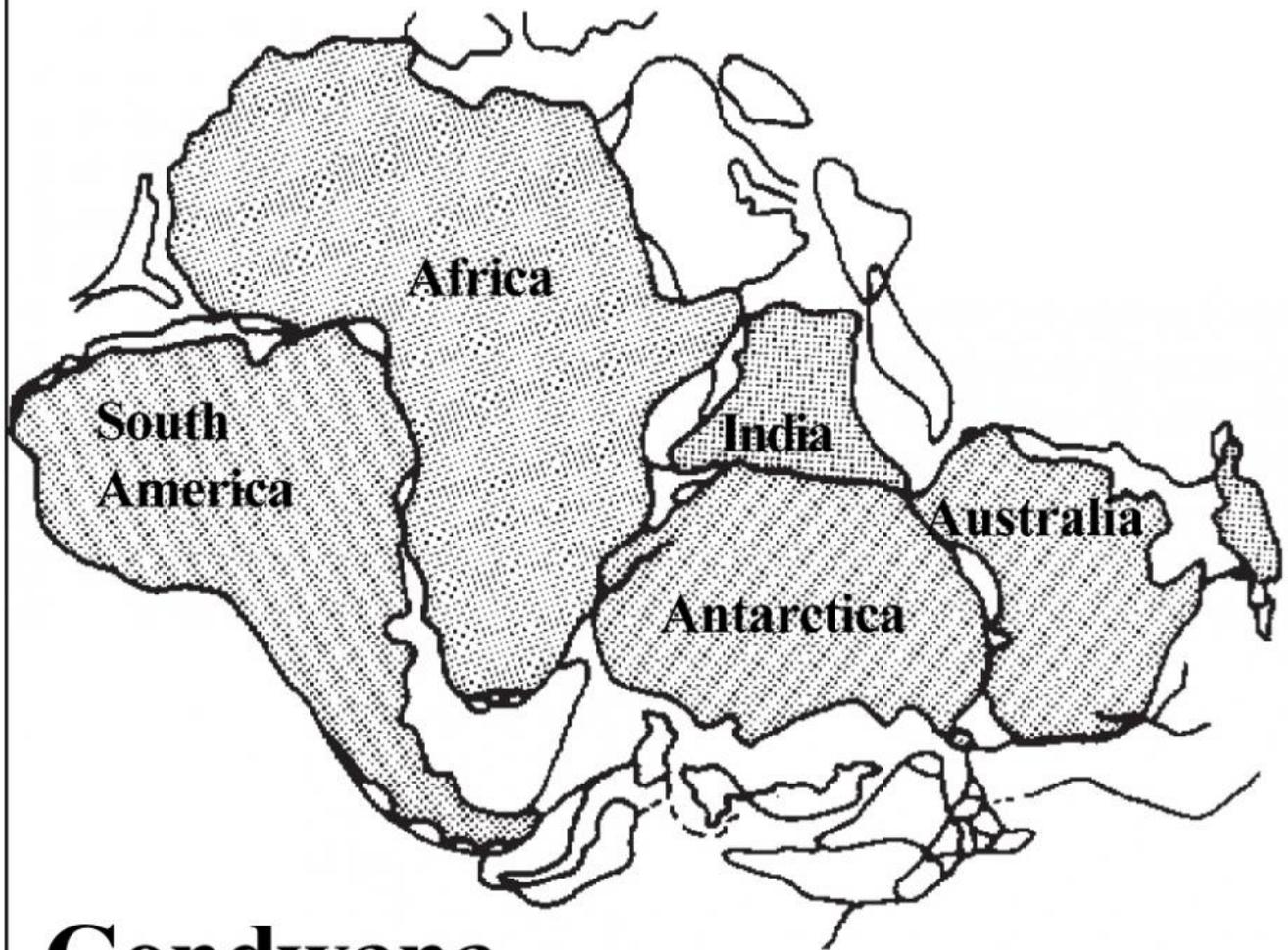
- टिटानोबोआ (Titanoboa Cerrejonensis):**
  - टिटानोबोआ एक विलुप्त साँप है जो पैलियोसीन युग (66 से 56 mya) के दौरान पाया जाता था, जिसे साँपों के उपसमूह का सबसे बड़ा ज्ञात सदस्य माना जाता है।**
  - उत्खनित कशेरुकाओं (रीढ़ की हड्डी के अलग-अलग हिस्सों) से बने शरीर के आकार के एक्सट्रपलेशन (Extrapolations) से जीवाश्म वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि औसत वयस्क टिटानोबोआ के शरीर की लंबाई लगभग 13 मीटर और औसत वजन लगभग 1.25 टन था।
- एनाकोंडा (genus Eunectes):**
  - बोइडे (Boidae) परिवार** में वर्गीकृत **एनाकोंडा, उष्णकटिबंधीय दक्षिण अमेरिका** में पाए जाने वाले बड़े, पानी में रहने वाले साँप हैं, जिनकी तीन से पाँच प्रजातियाँ होती हैं।
  - ग्रीन एनाकोंडा दुनिया के **सबसे बड़े साँपों** में से हैं, जो 9 मीटर तक लंबे और 250 किलोग्राम तक वजनी होते हैं।

## साँपों के मैडसोइडे परिवार के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- साँपों का मैडसोइडे परिवार, जो अब विलुप्त हो चुका है, एक समय **गोंडवाना** की प्राचीन भूमि पर वितरण करता था।
- उनका जीवाश्म रिकॉर्ड **प्रारंभिक सेनोमेनियन युग** (ऊपरी क्रेटेशियस के दौरान) से लेकर प्लीस्टोसीन युग के अंत तक फैला हुआ है।
  - इन आकर्षक साँपों ने **दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणी यूरोप सहित विश्व भर** के विभिन्न क्षेत्रों में अपने निशान छोड़े।

- पीढ़ी (Genera) और वविधिता:
  - वासुकी: यह अपनी लंबाई के लिये जाना जाता है, जो कम-से-कम 11-12 मीटर (लगभग 36-39 फीट) तक होती है।
  - वोनांबी और युरलुंगगुर (Wonambi and Yurlunggur): ये ऑस्ट्रेलियाई साँप भी मैडसोइडडे परिवार से संबंधित हैं।
    - ये प्राचीन साँप संभवतः अपने शिकार को फँसाकर आधुनिक बोआ और अज़गर की तरह शिकार करते थे।
- विकासवादी महत्त्व:
  - प्लीस्टोसिन तक मैडसोइडडे ऑस्ट्रेलिया में बने रहे, लेकिन इओसीन युग के दौरान उनका अस्तित्व कम देखा गया।
  - जबकि कुछ प्रजातियाँ ओलिगोसीन के दौरान दक्षिण अमेरिका और भारत में जीवित रही लेकिन उनकी समग्र उपस्थिति कम हो गई।





## **Gondwana**

The land masses of the world were once joined into a super-continent called Pangaea. This separated into two smaller land masses, Laurasia in the north and Gondwana in the south. Australia was part of Gondwana.

????????

प्रश्न 1. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2019)

1. समुद्री कच्छपों की कुछ जातयिों शाकभक्षी होती हैं ।
2. मछली की कुछ जातयिों शाकभक्षी होती हैं ।
3. समुद्री स्तनपाययिों की कुछ जातयिों शाकभक्षी होती हैं ।
4. साँपों की कुछ जातयिों सजीवप्रजक होती हैं ।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही है?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2, 3, और 4
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

प्रश्न 2. कगि कोबरा एकमात्र ऐसा साँप है, जो अपना घोंसला खुद बनाता है । यह अपना घोंसला क्यों बनाता है? (2010)

- (a) यह साँपों का सेवन करता है क्योंकि घोंसला अन्य साँपों को आकर्षति करने में मदद करता है ।
- (b) यह एक जीवति साँप है और इसे अपनी संतान को जन्म देने के लयि घोंसले की आवश्यकता होती है ।
- (c) यह एकअंडे देने वाला साँप है, अपने अंडे घोंसले में देता है और अंडे फूटने तक घोंसले की रक्षा करता है ।
- (d) यह एक बड़ा, शीत रुधरि वाला जानवर है, ठंड के मौसम में शीतनदिरा में रहने के लयि इसे घोंसले की आवश्यकता होती है ।

उत्तर: (c)

प्रश्न 3. नमिनलखिति में से कौन-सा साँप आहार में अन्य साँपों का सेवन करता है? (2008)

- (a) करैत
- (b) रसेल वाइपर
- (c) रैटलस्नेक
- (d) कगि कोबरा

उत्तर: (d)